COMPOSITE REGIONAL CENTRE FOR SKILL DEVELOPMENT, REHABILITATION & EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES [CRC – KOZHIKODE]
(Under the administrative control of NIEPMD, Chennai)
Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India
IMHANS Campus, Medical College PO Kozhikode Kerala 673008

Department of Speech & Hearing CRC Kozhikode

श्रवण विकलांगता क्या है ?

हमारे समाज में हम अक्सर गूँगे बहरे बच्चे देखते है। यह एक महत्त्वपूर्ण समस्या है। कोई बच्चा अगर बोल नहीं सकता है तो उसका मूल कारण उसका बहरापन या आवाज ना सुन पाना है है। बहरापन के कारण बच्चा बोलना सींख नहीं पाता। अगर इस समस्या की जल्दी पहचान करके हम इसका इलाज अवश्य संभव है।

भारत में हर हजार बच्चों में दो बच्चे बहरे होते है। इस विकलांगता के मुख्य करने में मस्तिष्क ज्वर ,आनुवंशिक दोष (ममेरे या चचेरे रिश्तों में शादी), भिन्न ब्लड ग्रुप याने रुधिरवर्ग के कारण जनम के समय दोष पैदा होना, बच्चों में गलत दवाओं का प्रयोग, प्रसव में गडबडियाँ, समयपूर्व याने कम हप्तों का शिशु, कुछ संक्रमण, मॉ को जरमन खसरा होना या बच्चे की कनफेड होना आदि माने जाते है। श्रवण विकलांग बच्चे भी अन्य बच्चो की तरह बोलना, सुनना, शिक्षा ले सकते है. इसके लिए आपको श्रवणयंत्र का प्रयोग और स्पीच थेरपिस्ट की सहायता लेनी होगी. श्रवण विशेषयज्ञ सुनने की क्षमता की जांच करके उचित श्रवण यंत्र का चुनाव करके वाच व् भाषा का परिक्षण प्रदान करते है. जिससे आपका बच्चा भी सामान्य बच्चो की तरह बोल और सुन पाते है इस विकलांगता को हराने के लिए इसका जल्दी पता लगाना जरुरी होता है साधारणतः बच्चे १ वर्ष की आयु में एक शव्द, १ १/२ वर्ष की आयु में दो शब्दों का प्रयोग करते है अगर बच्चे में आवाज को सुनने में या बोलने में समस्या महसूस होने पर पलकों को तुरंत श्रवण विशेषज्ञ या वाचा विशेषज्ञ से जांच करना चाहिए

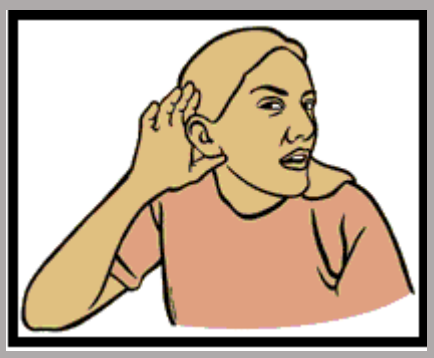

द्वारा तैयार:

श्री शिवराज लालदास भीमटे

सहेयक प्रोफेसर

भाषण और श्रवण

सीआरसी कोझिकोड